C.B.S.E

विषय : हिन्दी 'अ'

कक्षा : 9

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।
2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।
4) एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5) दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6) तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2×4=8) (1×2=2) [10]

एक समय की बात है। कन्नौज में एक परोपकारी महात्मा रहते थे। वे नित्य लोगों को बुराईयों से दूर रहने का उपदेश दिया करते थे। उनकी वाणी का अच्छा प्रभाव होता था। लोग भी उनका मान-सम्मान करते थे। एक दिन वे नशे की बुराईयाँ लोगों को बतला रहे थे। भीड़ में से एक व्यक्ति बाहर निकला और बोला, महात्मन, मुझे अफ़ीम खाने की आदत है, मैं उसे छोड़ना चाहता हूँ, पर छूटती ही नहीं। क्या आप मुझे इसका कोई उपाय बतलाएँगे?

महात्मा ने कहा, अवश्य, तुम आज शाम को मेरे आश्रम पर आना, मैं तुम्हें इसकी तरकीब समझाऊँगा। शाम के समय जब वह व्यक्ति आश्रम पर पहुँचा तो महात्मा जी भजन में लगे थे। वह बैठकर प्रतीक्षा करने लगा। कुछ देर

बाद महात्मा जी निवृत्त हुए और उठकर इधर-उधर टहलने लगे। वह व्यक्ति भी महात्मा जी का अनुसरण करने लगा।

कुछ समय यों ही बीत गया। अधीरता-से उस व्यक्ति ने महात्मा जी से पूछा, महात्मा जी, मैं वह तरकीब पूछने आया हूँ जिससे अफ़ीम खाने की आदत छूट सके।

महात्मा जी ने एक दृष्टि उस व्यक्ति पर डाली और बोले, तो तुम सचमुच अफीम की आदत छोड़ना चाहते हो?

जी! उस आदमी का उत्तर था, मैं इससे बहुत परेशान और दु:खी हूँ।

ठीक! कहकर महात्मा जी ने एक लता को अपनी बाहु में लपेट लिया और बोले, मैं तुम्हें इसका उपाय कैसे बताऊँ यह लता तो मुझे छोड़ ही नहीं रही है।

पहले तो वह आदमी भौंचक्का-सा होकर महात्मा जी को देखने लगा, फिर कुछ झिझककर बोला, महात्मन, क्षमा करें, क्या लता भी आदमी को पकड़ सकती है?

महात्मा बोले, अरे भाई! मैं भी यही कहता हू कि क्या कोई भी बुराई आदमी को पकड़ सकती है? तुम दृढ़ संकल्प के साथ शराब को छोड़ो, तो छूटेगी कैसे नहीं!

आदमी ने महात्मा को प्रणाम किया और घर लौट गया।

1. कन्नौज में कौन रहते थे और वे क्या करते थे? एक दिन वे क्या बतला रहे थे?
2. आदमी आश्रम में पहुँचकर किसका इंतजार करने लगा और क्यों?
3. महात्मा जी ने लता को क्यों लपेट लिया तथा वे आए हुए आदमी को क्या समझाना चाहते थे?
4. आदमी भौंचक्का क्यों रह गया?
5. उपर्युक्त गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दें।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. क) निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानिए: [1]

भुलावा, फिरौती

ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानिए: [1]

अतिवृष्टि, आलेख

ग) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और उपसर्ग को अलग कीजिए: [1]

उपग्रह, प्रतिवर्ष

घ) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग कीजिए : [1]

चलन, पालनहार

ड.) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। [2]

- गिरिधर
- नमक-मिर्च

च) निम्नलिखित विग्रहों का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। [2]

- पाँच तत्वों का समूह
- मृत्यु तक

छ) अर्थ के आधार पर निम्न के वाक्य भेद बताइए: [4]

1) वह एक अच्छी लड़की है।

2) क्या आप कल पाठशाला जायेंगे?

3) आप यहाँ बैठ जाइए।

4) संभवत: वह पहुँच गया होगा।

ज) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए: [4]

1. कर कह जाता कौन कहानी

2. माला फेरत जुग भया, फिरा ना मन का फेर

3. सुरवन को ढूँढत फिरत, कवि व्यभिचारी, चोर

4. हाय! फूल सी कोमल बच्ची
   हुई राख की ढ़ेरी।

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक और पूरक पुस्तक]

प्र. 3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: [3×2=6]

मुझे लगता है, तुम किसी सख्त चीज़ को ठोकर मारते रहे हो। कोई चीज़ जो परत-पर-परत सदियों से जम गई है, उसे शायद तुमने ठोकर मार-मारकर अपना जूता फाड़ लिया। कोई टीला जो रास्ते पर खड़ा हो गया था, उस पर तुमने अपना जूता आज़माया।

तुम उसे बचाकर, उसके बगल से भी तो निकल सकते थे। टीलों से समझौता भी तो हो जाता है। सभी नदियाँ पहाड़ थोड़े ही फोड़ती हैं, कोई रास्ता बदलकर, घूमकर भी तो चली जाती है।

तुम समझौता कर नहीं सके। क्या तुम्हारी भी वही कमज़ोरी थी, जो होरी को ले डूबी, वही 'नेम-धरम' वाली कमज़ोरी? 'नेम-धरम' उसकी भी ज़ंजीर थी। मगर तुम जिस तरह मुसकरा रहे हो, उससे लगता है कि शायद 'नेम-धरम' तुम्हारा बंधन नहीं था, तुम्हारी मुक्ति थी!

तुम्हारी यह पाँव की अँगुली मुझे संकेत करती-सी लगती है, जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ़ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो?

तुम क्या उसकी तरफ़ इशारा कर रहे हो, जिसे ठोकर मारते-मारते तुमने जूता फाड़ लिया?

मैं समझता हूँ। तुम्हारी अँगुली का इशारा भी समझता हूँ और यह

व्यंग्य-मुसकान भी समझता हूँ।

1. उपर्युक्त गद्यांश में किस व्यक्तित्व की चर्चा की गई है?
2. पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भो को इंगित करने के लिए किया गया होगा?
3. जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो?- पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

प्र. 4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती क्यों थी?
2. 'मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है।' इस कथन के आलोक में आप यह पता लगाएँ कि-लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?
3. उस समय के तिब्बत में हथियार का क़ानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?
4. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं?
5. झूरी की पत्नी ने किसे और क्यों नमकहराम कहा? उसका यह कहना उचित था यह अनुचित अपने विचार लिखें।

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। [2×3=6]

माँ की समझाइश के बाद
दक्षिण दिशा में पैर करके मैं कभी नही सोया
और इससे इतना फायदा जरुर हुआ

दक्षिण दिशा पहचानने में
मुझे कभी मुश्किल का सामना नही करना पड़ा
मैं दक्षिण में दूर-दूर तक गया
और हमेशा मुझे माँ याद आई
दक्षिण को लाँघ लेना सम्भव नहीं था
होता छोर तक पहुँच पाना
तो यमराज का घर देख लेता
पर आज जिधर पैर करके सोओं
वही दक्षिण दिशा हो जाती है
सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं
और वे सभी में एक साथ
अपनी दहकती आखों सहित विराजते हैं
माँ अब नही है
और यमराज की दिशा भी अब वह नहीं रही
जो माँ जानती थी

1. कवि को दक्षिण दिशा पहचानने में कभी मुश्किल क्यों नहीं हुई?
2. कवि ने ऐसा क्यों कहा कि दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं था?
3. कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है?

प्र. 6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। [2x4=8]

1. मोट खींचता लगा पेट पर जुआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कुँआ- पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
2. मनुष्य ईश्वर को कहाँ–कहाँ ढूँढता फिरता है?
3. क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी, क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की'-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

4. 'सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं?
5. सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिये।

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दें। [3×2=6]

1. "....आपके लाड़ले बेटे के की रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं ...." उमा इस कथन के माध्यम से शंकर की किन कमियों की ओर संकेत करना चाहती है?
2. माटीवाली को टिहरी शहर किस रूप में जाना पहचाना जाता था?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए। [10]

- प्लास्टिक की थैलियाँ - एक अभिशाप
- प्रकृति
- पुस्तकें पढ़ने की आदत

प्र. 9. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

1. आपके विदयालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माता जी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और उनके लिए क्या-क्या किया।
2. विद्यालय के प्रधानाचार्य को आर्थिक सहायता या छात्रवृति के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

प्र. 10. निम्नलिखित किसी एक विषय पर 25-30 शब्दों में संवाद लेखन करें। [5]

1. दूरदर्शन के कार्यक्रमों के विषय में माता और पुत्री के बीच होनेवाला संवाद लिखिए।
2. पति-पत्नी के मध्य गहने खरीदने से संबंधित संवाद लिखें।